संतोष जाधव
97633 55727
95959 90200
साँई ट्रेव्हल्स
जेस्ट, इनोवा, टवेरा, झायलो
डिजायर, विस्टा एव सभी प्रकार की
लक्झरी गाड़ियां किराये पर उपलब्ध
मामा चौक, सिविल लाईंस, गोंदिया

साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : bulandgondia@gmail.com | E-paper : bulandgondia.net | Office Contact No.: 7670079009 | R. No.: MAH-HIN-10169
वर्ष : 1 । अंक : 19 | गोंदिया : गुरुवार, 17 दिसम्बर 2020 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

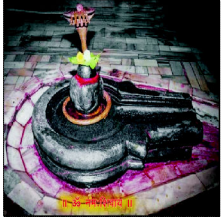

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत

फुटपाथ के अतिक्रमणों पर कार्यवाई, पक्के अतिक्रमणों पर कब?

जिलाधिकारी के कड़े निर्देशों के बाद शुरु हुआ अभियान

नवीन अग्रवाल– गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत अतिक्रमण को लेकर जिलाधिकारी द्वारा नप प्रशासन को कड़े निर्देश दिए गए थे। जिसके पश्चात फुटपाथ पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाई शुरु की गई। लेकिन शहर के विभिन्न क्षेत्रों के पक्के अतिक्रमणों पर कार्यवाई कब होंगी इस पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। गौरतलब है कि गोंदिया शहर की पहचान अतिक्रमणकारियों के शहर के रुप में होने लगी है। गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत ऐसा कोई भी इलाका शेष नहीं रहा जहां कच्चे व पक्के अतिक्रमण न हुए हो, जिससे शहर की सुंदरता व स्वच्छता व यातायात व्यवस्था पुरी तरह अस्त व्यस्त हो चुकी है। लेकिन अब जिलाधिकारी दीपक कुमार मीना द्वारा इस गंभीर समस्या को हल करने का कड़ा निर्णय लिया गया है। जिसके लिए १० दिसंबर को जिलाधिकारी कार्यालय में गोंदिया नगर परिषद व विभिन्न विभागों की आयोजित की गई समीक्षा सभा में प्रशासन को दिशानिर्देश जारी कर संयुक्त अभियान चलाते हुए कार्यवाई करने का निर्देश दिया था। जिसमें सर्वप्रथम शासकीय कार्यालयों व प्रमुख मार्गों के अस्थायी फुटपाथ हटाने तथा इसके पश्चात पुरे शहर में उपरोक्त अभियान चलाए जाने के निर्देश मिलने के पश्चात नगर परिषद राजस्व विभाग, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, विद्युत महावितरण विभाग तथा पुलिस विभाग के सहयोग से रविवार १३ दिसंबर से अभियान की शुरुवात जयस्तंभ चौक से की गई। जिसमें नई प्रशासकीय इमारत के सभी ओर का अतिक्रमण हटाया गया तथा इसके पश्चात जयस्तंभ चौक से मनोहर चौक-फुलचुर नाका तक, जयस्तंभ चौक से-नेहरु प्रतिमा चौक पुराने उड़ानपुल तक बुधवार १६ दिसंबर तक कार्यवाई करते हुए मार्गों के दोनो ओर का अतिक्रमण हटाया गया। जिसके पश्चात १७ दिसंबर गुरुवार से रेस्टहाऊस चौक से मराटोली बसस्थानक व बालाघाट टी पाईंट तक का अतिक्रमण हटाने की कार्यवाई प्रशासन द्वारा शुरु की जाएगी।

अतिक्रमण पर पुरे शहर में अभियान

गोंदिया शहर के सभी अतिक्रमणों पर कार्यवाई की जाएगी जिसमें सबसे पहले शासकीय कार्यालयों के आसपास के अतिक्रमणों को हटाने के साथ ही मुख्य मार्गों पर कार्यवाई की जा रही है। जिसके पश्चात स्थायी- अस्थायी सभी प्रकार के अतिक्रमणों पर कार्यवाई की जाएगी।

–करण चव्हाण, मुख्याधिकारी नगर परिषद, गोंदिया

फुटपाथ पर कार्यवाई पक्कें अतिक्रमणों पर कब?

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत अतिक्रमण पर कार्यवाई प्रशासन द्वारा जोर-सोर से शुरु तो की जाती है। जिसमें पहले फुटपाथ का अतिक्रमण हटाया जाता है। लेकिन जब यह कार्यवाई शहर के मुख्य क्षेत्रों व पक्के अतिक्रमणों पर करने की शुरुवात होती है तो बड़े पैमाने पर राजनैतिक दबाव आने लगता है। जिससे प्रशासन को कार्यवाई रोकनी पड़ती है। जिससे यह अभियान आगे नहीं बढ़ पाता तथा अतिक्रमणकारियों के हौसले फिर से बुलंद हो जाते है। जिससे वे अस्थायी अतिक्रमण को पक्के अतिक्रमण का स्वरुप दे देते है। विशेष यह है कि शासकीय जमीन पर मार्गों से लगकर हजारों पक्के अतिक्रमण हो चुके है, जिसमें भवानी चौक से लेकर नगर परिषद, लोहा लाईन, गांधी प्रतिमा से गोरेलाल चौक, सब्जी मंडी, चना लाइन, चांदनी चौक से दुर्गा चौक, कुड़वा लाइन, गांधी प्रतिमा से जयस्तंभ चौक, नेहरु पुतले से गोरेलाल चौक, रेलवे स्टेशन मार्ग, रामनगर माल धक्का मार्ग, कुडवा नाका जैसे अनेक स्थानों के साथ ही शहर के अन्य क्षेत्रों में यह समस्या विकराल हो चुकी है, क्या प्रशासन इन सभी क्षेत्रों में बिना राजनैतिक, सामाजिक, राजनैतिक दबाव में आए बिना कार्यवाई करके शहर को अतिक्रमण मुक्त कर पाएंगा इसपर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है।

बिना तापमान जांच किए कर्मचारियों का जिप में प्रवेश

गोंदिया– जिप कार्यालय में प्रवेश करने के पूर्व कोविड-१९ के नियमों का पालन कर तथा शरीर के तापमान की जांच करना अनिवार्य है। इसके बाद ही यहां कार्यरत कर्मचारियों को कार्यालय में जाने की अनुमति दी जाती है। लेकिन पिछले दो दिनों यहां की तापमान जांच मशीन खराब होन से यहां के कर्मचारी व नागरिक बिना तापमान की जांच करवाए बिना ही कार्यालय में प्रवेश कर रहे है। जिसके चलते अंदेशा लगाया जा रहा है कि अगर इसी प्रकार की स्थिती बनी रही तो जिप में कोरोना प्रवेश कर सकता है। इसके पूर्व भी जिप के २५ कर्मचारी कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। ज्ञात हो कि जिप में प्रवेश करने के पूर्व गेट पर तैनात कर्मचारियों द्वारा कार्यालय में आनेवाले सभी लोगो के शरीर का तापममान जांचा जाता है तथा सैनिटाइजर से हांथ धाने के बाद ही अंदर जाने दिया जाता है। यदि जांच में तापमान १०० के ऊपर पाया गया तो उस व्यक्ति को कार्यालय में प्रवेश करने की अनुमति नही दी जाती। प्रतिदिन जिप में लगभग १ हजार से अधिक कर्मचारी, नागरिक जिप में पहुंचते है। इस सभी की जांच कर रजिस्टर पर नाम लिखा जाता है। लेकिन गत दो दिनों से तापमान की जांच मशीन खराब होने से बिना जांच ही जिप कार्यालय में प्रवेश दिया जा रहा है।

नई मशीन की मांग

इस संदर्भ में मुझे जानकारी दी गई तापमान जांच मशीन खराब हुई है। जिप स्वास्थ्य विभाग को इससे अवगत करवाकर नई मशीन उपलब्ध कराने की बात कही गई है। जल्द ही मशीन उपलब्ध होंगी।

–नरेश भांडारकर, उपमुख्य कार्य.अधिकारी (समान्य प्रशासन) जिप, गोंदिया

२८ पुलिस अधिकारियों का तबादला

गोंदिया– जिला पुलिस में कार्यरत २८ पुलिस अधिकारियों के जिला अंतर्गत तबादले किए गए है। उनमें निरीक्षक, सहायक निरीक्षक व उपनिरिक्षकों का समावेश है। इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे की ओर से आदेश जारी किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पदभार सौंपने व ग्रहण कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए है। तिरोड़ा थाने के निरीक्षक उद्धव डमाले का गोंदिया में मानवी संसाधन शाख, आर्म आऊट पोस्ट मुरकुडोह के सहायक पुलिस निरीक्षक अभिजीत भुजबल का शहर थाना, एओपी दरेकसा के उपनिरिक्षक मधुकर सामलवार का रामनगर, मगरडोह के अभयसिंह शिंदे का जिला अपराध शाखा, गणुटोला के दीपक जगदाले का गंगाझरी थाना, सी ६० सालेकसा के भीष्मराज सोरते का सालेकस थाना, सी ६० नवेगांवबांध के महेश कोरे का रावणवाड़ी थाना तथा अतरिक्ति प्रभारी बिरसी विमानतल, धापेवनी के विनोद मुरले का डुग्गीपार थाना, सी ६० देवरी के शंकर भोंसले का तिरोड़ा थाना, सी ६० के गणेश माने का अतिरिक्त प्रभार ऑपरेशन सेल देवरी, सी ६० नवेगांवबांध के नरेश उरकुडे का देवरी थाना, जिला नियंत्रण कक्ष में कार्यरत निरीक्षक उमेश पाटिल को रावणवाडी का अस्थायी प्रभार सौंपा गया है।

आर्थिक अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रंगनाथ धारबडे का ग्रामीन थाना, नियंत्रण कक्ष की निरीक्षक वैशाली पाटिल का सायबर सेल प्रभारी अधिकारी, नवेगांवबांध के निरीक्षक बाबासाहब बोरसे का आर्थिक अपराध शाखा, नक्सल ऑपरेशन सेल के सहायक निरीक्षक प्रमोद बघेले का सालेकसा, नक्सल सेल गोंदिया के प्रभारी निरीक्षक सुजीत चव्हाण का नियंत्रण कक्ष, रावणवाडी थाने के थानेदार सचिन वांगडे का डुग्गीपार थाना, गंगाझरी थाने के एपीआई नीलेश उरकुडे का दवनीवाड़ा थाना, रामनगर थाने के संदीप इंगले का केशोरी थाना, बिरसी विमानतल के सहायक निरीक्षक जनार्दन हेगडकर का नवेगांवबांध थाना, एओपी गोठनगांव के पीएसआई अशोक केंदे का चिचगढ़ थाना व आर्म आऊट पोस्ट, बोंडे के उपनिरीक्षक अश्फाक शेख मुस्ताक का नवेगांवबांध थाना उसी प्रकार नियंत्रण नियंत्रण कक्ष में कार्यरत निरीक्षक दीपक वंजारी का गोरेगांव थाना, योगेश पारधी का तिरोड़ा थाना, सदानंद माने का प्रभारी नियंत्रण कक्ष, सहायक निरीक्षक अरविंद रघुवंशी का रामनगर थाना व उपनिरिक्षक विजय रहांगडाले का स्थानांतरण आमगांव में किया गया।

एक हेक्टर से कम क्षेत्र के रेती घाटों को पर्यावरण मंजूरी नहीं

पर्यावरण समिति की मंजूरी नहीं मिलने से रेती घाटों की निलामी में बिलंब चोरी बढ़ी शासन के राजस्व को नुकसान

गोंदिया जिले के साथ-साथ पुरे राज्य के रेती घाटों को गत ढेड़ वर्षों से पर्यावरण समिति द्वारा मंजूरी नहीं दी गई है। जिसके चलते रेती चोरी बड़े पैमाने पर होने से शासन के राजस्व को करोड़ो का नुकसान हो रहा है। समिति द्वारा लिए गए निर्णय से अब एक हेक्टर से कम क्षेत्र के घाटों को मंजूरी नही दी जाएगी। जिसमे जिले के २४ मे से सिर्फ १४ घाटों को ही मंजूरी मिलेगी। गौरतलब है कि शासन को मिलनेवाले राजस्व में गौणखनिज का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जिसमें रेती प्रमुख है। प्रतिवर्ष रेती घाटों की निलामी से करोड़ो रुपए का वार्षिक राजस्व शासन को प्राप्त होता है। लेकिन गोंदिया जिले के साथ-साथ पुरे राज्य के रेती घाट गत ढेड़ वर्षों से निलाम नही हो पाए हैं। जिससे रेती चोरी के मामले बड़ने के साथ ही रेती माफियाओं का सिंडीकेट भी बन चुका है, साथ ही शासन के राजस्व को करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा वह अलग घाटों की निलामी की प्रक्रिया होने के पूर्व जिलास्तरीय व राज्यस्तरीय पर्यावरण समिति की मंजूरी लेना आवश्यक है, जिसके पश्चात ही घाटों की निलामी हो सकती है। लेकिन समिति द्वारा ढेड़ वर्षों में सर्वे पुरा कर मंजूरी न देना संदेह निर्माण कर रहा है। जिसमें अवैध रेती माफियाओं को लाभ पहुंचाने का उद्देश्य तो नहीं है। विशेष यह है कि इस वर्ष जिले के २४ घाटों को निलामी के लिए रखा गया था। लेकिन अब पर्यावरण समिति द्वारा लिए गए नए निर्णय के तहत एक हेक्टर से कम क्षेत्रफल के घाटों को मंजूरी नहीं दी जाएगी। जिसके चलते अब १४ घाट ही जिले में उपरोक्त नियमों के अंतर्गत आते है। उल्लेखनिय है कि घाटों के कम होने से एक ओर शासन को राजस्व का नुकसान तो होंगा ही साथ ही निलामी होने के बावजूद चोरी की घटनाए रुक नहीं पाएगी।

बिना निर्माण कार्य किए निकाला बिल

गोंदिया– बहुजन समाज पार्टी की महिला पार्षद ज्योत्सना मेश्राम ने बिना निर्माण कार्य किए बिल निकालने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाई कर उसे ब्लैक लिस्ट में डालने की मांग की है। इस संबंध में पार्षद मेश्राम ने नप मुख्याधिकारी करण चव्हान से शिकायत की है। जिसमें कहा गया है कि प्रभाग क्र. १४ सिंगलटोली वार्ड में सन २०१७ में जनरल फंड से नाली व गली निर्माण करने काम के इस्टीमेंट व वर्क ऑर्डर तैयार किए गए थे। इसमें सिंगटोली स्थित रामदास घरडे के घर के पीछे से अंजिराबाई नागपुरे के घर तक सीमेंट नाली का निर्माण ७० हजार रुपए बिल क्र. एनपी ६/पीडब्ल्यूडी /१५३६/ २०१७ २३ मार्च २०१८ बिल के ठेकेदार लखनलाल धावाडे के नाम ६८७८८ रुपए पास हो गया। लेकिन बसंत ठाकरे के घर के पीछे रोड का निर्माण कार्य ही नहीं किया गया। बावजूद ७० हजार रुपए का बिल पास कर दिया गया। इसी तरह आशिष वासनिक के घर समक्ष कुआं दुरुस्ती करने के नाम पर ६९ हजार ९०९ का बिल निकालय गया है। इस प्रकरण की जांच कर दोषी अधिकारी व ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्यवाई करने की मांग मी पार्षद मेश्राम ने की है।

दूसरी कक्षा तक के छात्रों के लिए होमवर्क में छूट

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में एक शिक्षा नीति की घोषणा की है, जो कि छात्रों को होमवर्क में दूसरी कक्षा तक छूट दी गई है, और साथ ही ग्रेड तीन से पांच में छात्रों को बहुत राहत देती है। छठे और आठवें ग्रेडर को प्रति सप्ताह होमवर्क के पांच से छह घंटे से अधिक नहीं दिया जाएगा। कुल मिलाकर छात्रों को प्रति दिन एक घंटे का होमवर्क मिलेगा। माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक में पढ़ने वाले छात्रों के लिए नए नियम बनाए गए हैं।

कोरोना के टीकाकरण का सुक्ष्म नियोजन करें - जिलाधिकारी मीना

गोंदिया– कोरोना महामारी से बचाव के लिए टीका कुछ ही दिनों में उपलब्ध होनेवाला है। वैद्यकीय क्षेत्र के डॉक्टरर्स, नर्सेस तथा जोखिम वाले मरीजों का प्राथमिकता के साथ टीकाकरण किया जाएगा तथा हर एक कोरोना योद्धा को भी टीका लगाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग सभी स्तर पर सुक्ष्म नियोजन करें। ऐसा अहवान जिलाधिकारी दीपककुमार मीना ने जिलाधिकारी कार्यालय में जिला नियोजन समिति सभागृह में आयोजित कोरोना वायरस के टीकाकरण नियोजन संदर्भ में जिला टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक में किया।

प्रशिक्षित दल का होंगा गठन

जिलाधिकारी मीना ने कहा कि कोरोना टीकाकरण अभियान शहर से ग्रामीण स्तर तक क्रियान्वित करना है। जिससे टीकाकरण करनेवाले कर्मियों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दें। टीका लगाने के लिए प्रशिक्षित दल निर्माण कर उसका पर्यवेक्षकीय देख-रेख उचित रुप से किया जाए। इसके लिए लगनेवाली साधन सामग्री व टीका लगाने वाले केंद्र का सुक्ष्म नियोजन कर रेलवे अंतर्गत चिकित्सालय, निजी चिकित्सालय, संपूर्ण रुप से संरक्षित किया जाए। कोविड १९ टीकाकरण संबंधी आईईसी का उचित उपयोग करें। हर व्यक्ति तक टीम पहुंचाने सभी शासकीय व गैरशासकीय यंत्रणा समन्वय रखकर कान करें। टीकाकरण का लाभ वैद्यकीय क्षेत्र को सबसे पहले दिया जाएगा। जिले में टीका संग्रह के लिए पर्याप्त साधन सामग्री है। इस अवसर पर अपर जिलाधीश राजेश खवले, निवासी उपजिलाधिश स्मीता बेलपत्रे उपस्थित थे। शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नरेश तिरपुडे, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोडबे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, जिला माता व बाल संगोपन अधिकारी डॉ. संजय पांचाल, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प अधिकारी डॉ. संजय पांचाल, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प अधिकारी जितेंद्र चौधरी, शिक्षाधिकारी (प्राथमिक) राजकुमार हिवारे, उप शिक्षाधिकारी (माध्यमिक) समरीत, पुलिस उपअधीक्षक (गृह) वैशाली पाटिल, जिला क्रीडा अधिकारी घनश्याम राठोड, देवरी के उपविभागीय अधिकारी शिल्पा सोनारे, आईएमए की अध्यक्ष डॉ. चिटणवीस, नेहरु यूवा केंद्र की जिला समन्वयक श्रुति डोंगरे, महिला व बालकल्याण विभाग के ए.एच. टेंभूरकर, समाज कल्याण निरीक्षक वी.डी. नटाले, सहायक कामगार आयुक्त प्रतिनिधि सचिन अरबट आदि उपस्थित थे।

८,६३६ स्वास्थ्य कर्मियों को टीके का नियोजन

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितीन कापसे ने बताया कि जिला स्वास्थ्य अधिकारी व जिला शल्य चिकित्सक के कार्यक्षेत्र मिलाकर लगभग ५५ शासकीय स्वास्थ्य संस्था तथा ५७ निजी चिकित्सालयों के कुल ८,६३६ स्वास्थ्य कर्मियों को टीका देने का नियोजन किया गया है। इसके लिए ९५० टीका वायल्स आवश्यक है। ऐसी जानकारी समीक्षा बैठक में दी गई। जिला स्तर पर क्रिज की श्रृंखला अपडेट दी गई है। जिससे टीका रखने के लिए कोई भी समस्या नहीं होंगी। टीका लगाने के बाद संबंधित व्यक्ति को आधे घंटे टीकाकरण केंद्र पर रोका जाएगा। टीका रखने समी केंद्र पर शीतपेटी उपलब्ध रहेंगी।

संपादकिय

कैसे टूटे किसान आंदोलन का गतिरोध

कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन खत्म होता नहीं दिख रहा है। कई दौर की वार्ता हो चुकी है पर किसान अपनी मांगों पर अड़े हैं। ऐसे में सवाल यह है कि किसानों की आशंकाएं कैसे दूर होंगी।

नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों और सरकार के बीच जारी बातचीत में आया गतिरोध टूटने की कोई सूरत नहीं बन पा रही है। बिना किसी पूर्व योजना के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निमंत्रण पर उनसे हुई किसान नेताओं की वार्ता के बाद सरकार द्वारा भेजे गए लिखित प्रस्ताव को भी किसानों ने ठुकरा दिया है, साथ ही अपना आंदोलन और तेज करने की घोषणा की है।

हालांकि मंगलवार को भारत बंद के बाद जब गृहमंत्री ने किसान नेताओं को बुलाया तो इसको इस बात का संकेत माना गया कि सरकार आंदोलन की मांगों को लेकर गंभीर है और अब कोई रास्ता निकल आएगा। सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में एमएसपी गारंटी करने का कानून बनाने वाली बात भले न हो, पर इसमें एमएसपी जारी रखने का लिखित आश्वासन देना मंजूर किया गया है।

इसके अलावा फसल की खरीदी करने वाले निजी व्यवसायियों के राज्य सरकारों द्वारा रजिस्ट्रेशन किए जाने और अनाज मंडी से बाहर की जाने वाली खरीद-बिक्री पर भी टैक्स लगाने का अधिकार उनको देने की बात इस प्रस्ताव में कही गई है। किसानों की कई और चिंताओं को दूर करने की कोशिश भी इसमें दिखती है। बावजूद इसके, किसान आंदोलन से जुड़े संगठनों के नेतृत्व ने एक स्वर से इसे खारिज कर दिया। शायद यही वह सबसे बड़ी वजह है, जिसके चलते लगातार बातचीत के बावजूद दोनों पक्षों के बीच सार्थक संवाद का कोई पुल बनता नहीं दिख रहा है। सरकार और किसानों के बीच भरोसे की ऐसी कमी भारतीय लोकतंत्र के लिए चिंता की बात होनी चाहिए, हालांकि यह स्थिति कोई एक-दो दिन में नहीं आई है।

कृषि कानूनों पर संसद में चर्चा के दौरान विपक्षी पार्टियों का रुख बहुत कड़ा था, लेकिन सरकार ने उसकी कोई परवाह नहीं की। किसानों के शुरुआती विरोध प्रदर्शनों को भी खास तवज्जो नहीं दी गई। पंजाब में लंबे समय तक रेल पटरियों पर जारी धरने को सिरे से अनदेखा कर दिया गया। वहां से किसान दिल्ली के लिए निकले तो हरियाणा में उन्हें बलपूर्वक रोकने की कोशिश हुई। यहां तक कि दिल्ली बॉर्डर तक पहुंच जाने और यहां डेरा जमा लेने के बावजूद सत्तारूढ़ हलकों की ओर से कमी उनको बरगलाया हुआ बताया जाता रहा तो कभी खालिस्तानी करार देने की कोशिश की गई।

ऐसे में यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरा जनता का यह अहम हिस्सा सरकार की बातों पर भरोसा कर लेगा? जाहिर है, संवाद की सफलता का सवाल तो बाद में उठेगा, पहले सरकार खुद किसानों पर भरोसा करे। इस क्रम में वह किसानों का विश्वास भी जीत सकती है। दोनों पक्षों को याद दिलाना जरुरी है कि फैसला अंतत: बातचीत से ही होगा, बल प्रदर्शन से नहीं। हालांकि बातचीत का माहौल बनाने की जिम्मेदारी निश्चित रुप से किसानों से ज्यादा सरकार की है।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है। इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें।

– सम्पादक

देहव्यवसाय करनेवाली १५० महिलाओं को आर्थिक सहायता

शासन के पास निधि उपलब्ध

गोंदिया- जिले में देहव्यवसाय कर अपना जीवन व्यापन करनेवाली १५० महिलाओं को शासन की ओर से १५ हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया गया है। शासन की ओर से देहव्यवसाय करनेवाली उक्त महिलाओं को तीन महिनों की मदद के रुप में १५ हजार रुपए दिए जाएंगे। कोरोना महामारी के चलते देहव्यवसाय के भरोसे रहनेवाली महिलाओं का धंधा ढ़प हो गया था, जिसके चलते उनपर आर्थिक संकट गहरा गया ऐसे में उनकी मदद करने के उद्देश्य से से रिपोर्ट पेश करने को कहा गया था, जिसके आधार पर एक सामाजिक संस्था द्वारा रिपोर्ट पेश की गई तथा क्रिमीनल अपील क्रं. १३५/२१० (बुधादेव करमास्कर विरुद्ध स्टेट ऑफ वेस्ट बेंगॉल व इतर) में आदेशानुसार देह व्यवसाय कर अपना जीवन व्यापन करनेवाली महिलाओं को कोरोना महामारी के दौरान आर्थिक सहायता देने के लिए शासन की ओर से आदेश पारित किया गया है। इस आदेशानुसार गोंदिया जिले में कितनी महिलाएं देहव्यवसाय कर जीवन व्यापन कर रही है, इसकी जानकारी एक सामाजिक संस्था द्वारा लिए जाने की जानकारी सामने आई है। उपरोक्त महिलाओं को अक्टुबर, नवंबर तथा दिसंबर महिने तक ५ हजार रुपए प्रतिमाह के रुप में १५ हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। नैशनल एड्स कंट्रोल संघटन द्वारा किए गए सर्वेक्षण में जिन महिलाओं का देहव्यवसाय करना स्पष्ट किया गया है, उन्हीं महिलाओं को उक्त योजना का लाभ दिया जाएगा। उक्त योजना के तहत जिले में देहव्यवसाय कर अपना जीवन व्यापन करनेवाली १५० महिलाओं को १५ हजार रुपए की सहायता निधि महिला व बालकल्याण विभाग की ओर से दी जाएगी। इस संदर्भ में ८ दिसंबर को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उक्त १५० महिलाओं को योजना का लाभ देने का निर्णय लिया गया।

५२ बच्चों को प्रतिमाह ढ़ाई हजार

देह व्यवसाय करनेवाली जिन महिलाओं के बच्चे स्कूल जा रहे है, उन्हें भी प्रतिमाह ढ़ाई हजार रुपए देने का नियम है। जिसके तहत उक्त १५० महिलाओं का सर्वेक्षण किया गया जिसमें उनके ५२ बच्चों द्वारा स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की जानकारी मिली। जिसके आधार पर हर बालक को तीन महिनों तक ढ़ाई हजार रुपए दिए जाएंगे।

किसानों की प्रगति के लिए फसल स्पर्धा का आयोजन

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव

गोंदिया जिले में कृषि विभाग ने रबी सीजन के दौरान आयोजित की जाने वाली फसल प्रतियोगिताओं के लिए मापदंड बदल दिए हैं और किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए उक्त प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिले में अनाज, दलहन और अन्य फसलों के लिए पिछले नियमों अनुसूची और पुरस्कार राशि को बदल दिया गया है। अर्जुन-मोर तहसील कृषि कार्यालय अधिकारी, रविंद्र लांजेवार ने किसानों से अपील की है कि वे ३१ दिसंबर २०२० तक प्रतियोगिता के लिए आवेदन करें और प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भाग लें। प्रतियोगिता में पांच फसलों जैसे सोरघम, गेहूं, चना, अलसी और तिल के लिए रबी फसल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता तहसील कृषि अधिकारी द्वारा आयोजित की जाएगी। किसानों को फसल प्रतियोगिता के लिए कम से कम १० हेक्टेयर भूमि पर खेती करनी होगी। समूह में कम से कम पांच आवेदन प्राप्त होने चाहिए। संबंधित गांव में एक फसल की कटाई समिति नियुक्त की जाएगी। जिन किसानों की फसल की उत्पादकता तहसील की सामान्य उत्पादकता से १.५ गुना या उससे अधिक होगी। वे फसल प्रतियोगिता पुरस्कार के लिए पात्र होंगे। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान से कम वाले किसानों का चयन किया जाएगा। पुरस्कार के लिए सभी स्तरों पर फसल प्रतियोगिता को अयोग्य माना जाएगा। ग्राम स्तर (अध्यक्ष) में कृषि अधिकारी, कृषि सहायक (सदस्य सचिव), लाभार्थी किसान सरपंच उप सरपंच ग्राम पंचायत सदस्य प्रगतिशील किसान, पुलिस अधिकारी सुनील पटवारी ग्रामसेवक की घोषणा करेंगे

किसानों को आवेदन करना चाहिए

फसल प्रतियोगिता के लिए तहसील कृषि अधिकारी के लिए आवेदन करें। सहायक कृषि पर्यवेक्षक, कृषि बोर्ड अधिकारी और तहसील कृषि अधिकारी प्रतियोगिता के बारे में सूचित करेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आपको रुपये के प्रवेश शुल्क के भुगतान के लिए एक चालान प्रस्तुत करना होगा।

इस प्रकार है प्रोत्साहन राशि

प्रतियोगिता तहसील स्तर, जिला स्तर, मंडल स्तर और राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी। पहला पुरस्कार ५० हजार रुपये, दूसरा पुरस्कार ३० हजार रुपये, तीसरा पुरस्कार २,००० रुपये, पहला पुरस्कार १० हजार रुपए, ५ हजार रुपये है। पहला पुरस्कार २५ हजार रुपये, दूसरा पुरस्कार २०,००० रुपये, तीसरा पुरस्कार १५ हजार रुपये और पहला पुरस्कार ५०,००० रुपये होगा। दूसरा पुरस्कार ४०,००० रुपये और तीसरा पुरस्कार ३०,००० रुपये होगा। प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का अहवान कृषि अधिकारी रवींद्र लांजेवार ने किया है।

जिंदगी न मिलेगी दोबारा...

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

हमने एक कहावत तो कई बार सुनी ही होगी कि **जिंदगी न मिलेंगी दुबारा.** यह कहावत जिसने भी बनाई है इसमें भले ही सच्चाई हो पर मुझे तो यह कहावत आधी सच्ची लगती है, क्योंकि जब हम अपने जीवन के घटनाक्रम पर नजर घुमाते हैं तो हमें सहज ही समझ में आ जायेगा कि हमें भी ऊपरवाले ने जिंदगी तो कई बार दी है।

आज बैठे-बैठे मन में विचार आया कि सिर्फ मृत्यु ही है जो केवल एक बार ही सबको मिलती है लेकिन जिंदगी को तो हम सभी ने कई बार वापस पा लिया होगा। मृत्यु का सामना हर मनुष्य को करना पड़ता है, मृत्यु मनुष्य की आखरी मंजिल है। यहां पैदा होने वाला हर जीव एक दिन जरुर अपने शरीर को त्यागता है। इस दुनिया में जो आया है वह जाएगा भी यह बात निश्चित है। मेरी इस बात पर कई लोग शायद सहमती नहीं रखेंगे, क्योंकि हमने बचपन से सिर्फ एक ही कहावत सुनी है कि, जिंदगी न मिलेगी दोबारा... । पर हम अगर अपने गुजरे हुए वक्त में कुछ पीछे की ओर देखेंगे तो आपको भी यह जरुर महसूस होगा कि जिंदगी तो हमें भी कई बार मिल चुकी है।

हम अपने अतीत के समय में जाएं तो हममें से कई लोगों के जीवन काल में ऐसा वक्त भी आया होगा जब वह किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार होते-होते बच गया होगा या किसी जानलेवा बीमारी पर विजय प्राप्त करके वह जिंदगी को दुबारा प्राप्त करने में सफल हुआ हो। आज के इस कोरोना संकट में हम लोगों ने कई ऐसे लोगों को जरुर देखा होगा जो इस जानलेवा बीमारी को मात देकर जिंदगी को दुबारा हासिल कर लिया है। ऐसे लोगों से आप पूछेंगे तो वे जरुर आपको मेरी कही हुई बात अवश्य कहेंगे कि जिंदगी हमें दुबारा मिली है। फिर हम इतना निश्चित होकर कैसे कह सकते हैं कि जिंदगी दुबारा नहीं मिलती।

मित्रों हादसे तो जिंदगी के हिस्से हैं ये तो जीवन में होते ही रहते है। अगर किसी ने हादसों या बीमारी का मुकाबला करके उस संकट में से बाहर निकल कर जीवन हासिल किया है तो मन में एक विश्वास रखो कि यह जिंदगी जरुर हमारे हाथों से कुछ नेक काम करवाना चाहती है। जीवन में घटने वाली हर एक अप्रिय घटना हमें कोई न कोई सबक या सीख अवश्य देकर जाती है और यही सबक और शिक्षा हमें जरुर कुछ नया अनुभव ही देंगे।

यदि उपरोक्त कहावत को दूसरी नजर से देखा जाए तो जिंदगी जो हमे हर्ष-खुशी जीवन जीने का अवसर देती है और हम उसे कंवल दुखों का वोला पहनाकर जीवनयापन करते हैं तो यह कहना अनुचित न होगा कि, जिंदगी न मिलेगी दोबारा...। क्योंकि जीवन तो खुलकर कर जीने का मौका है जो सबको नसीब नहीं होता। इसिलिए ही तो जिंदगी भी हमें हंसकर एक बात कहना चाहती है कि **हे बंदिया अभी भी वक्त हाथ से निकला नहीं है, अधूरे काम पूरे कर ले, इंसान हो, मनुष्य देही में जनम लिया है तो इंसानियत वाले के कुछ नेक कर्म तो कर ले...।**

जीवन की एक ही अटल सच्चाई है वह है मृत्यु। अतएव इसके आने के पहले वह सब कुछ हासिल करने का प्रयास कर लें जिससे हमारी जिंदगी का उद्देश्य पूरा हो सके, अन्यथा मृत्यु को नकारा नहीं जा सकता। किसी ने ठीक ही कहा है -

जीवन का एक ही सत्य मार्ग
मृत्यु से मिल जाना है
जो भी आया है इस जग में
एक दिन उसको जाना है
रिश्ते नाते की कितनी भी
मजबूत डोरियां हो लेकिन
जब वक्त हुआ है जाने का
तब तोड़ के इसको जाना है

सूर्यग्रहण

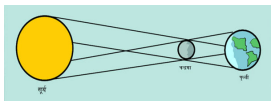

भौतिक विज्ञान की दृष्टि से जब सूर्य व पृथ्वी के बीच में चन्द्रमा आ जाता है तो चन्द्रमा के पीछे सूर्य का बिम्ब कुछ समय के लिए ढक जाता है, इसी घटना को सूर्य ग्रहण कहा जाता है। पृथ्वी सूरज की परिक्रमा करती है और चांद पृथ्वी की। कभी-कभी चांद, सूरज और धरती के बीच आ जाता है। फिर वह सूरज की कुछ या सारी रोशनी रोक लेता है जिससे धरती पर साया फैल जाता है। इस घटना को सूर्य ग्रहण कहा जाता है। यह घटना सदा सर्वदा अमावस्या को ही होती है।

प्रकार :

चन्द्रमा द्वारा सूर्य के बिम्ब के पूरे या कम भाग के ढके जाने की वजह से सूर्य ग्रहण तीन प्रकार के होते हैं जिन्हें पूर्ण सूर्य ग्रहण, आंशिक सूर्य ग्रहण व वलयाकार सूर्य ग्रहण कहते हैं।

१. पूर्ण सूर्य ग्रहण

पूर्ण सूर्य ग्रहण उस समय होता है जब चन्द्रमा पृथ्वी के काफी पास रहते हुए पृथ्वी और सूर्य के बीच में आ जाता है और चन्द्रमा पूरी तरह से पृथ्वी को अपने छाया क्षेत्र में ले ले फलस्वरुप सूर्य का प्रकाश पृथ्वी तक पहुंच नहीं पाता है और पृथ्वी पर अंधकार जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है तब पृथ्वी पर पूरा सूर्य दिखाई नहीं देता। इस प्रकार बनने वाला ग्रहण पूर्ण सूर्य ग्रहण कहलाता है।

२. आंशिक सूर्य ग्रहण

आंशिक सूर्यग्रहण में जब चन्द्रमा सूर्य व पृथ्वी के बीच में इस प्रकार आए कि सूर्य का कुछ ही भाग पृथ्वी से दिखाई नहीं देता है अर्थात चन्द्रमा, सूर्य के केवल कुछ भाग को ही अपनी छाया में ले पाता है। इससे सूर्य का कुछ भाग ग्रहण ग्रास में तथा कुछ भाग ग्रहण से अप्रभावित रहता है तो पृथ्वी के उस भाग विशेष में लगा ग्रहण आंशिक सूर्य ग्रहण कहलाता है।

३. वलयाकार सूर्य ग्रहण

वलयाकार सूर्य ग्रहण में जब चन्द्रमा पृथ्वी के काफी दूर रहते हुए पृथ्वी और सूर्य के बीच में आ जाता है अर्थात चन्द्र सूर्य को इस प्रकार से ढकता है, कि सूर्य का केवल मध्य भाग ही छाया क्षेत्र में आता है और पृथ्वी से देखने पर चन्द्रमा द्वारा सूर्य पूरी तरह ढका दिखाई नहीं देता बल्कि सूर्य के बाहर का क्षेत्र प्रकाशित होने के कारण कंगन या वलय के रुप में चमकता दिखाई देता है। कंगन आकार में बने सूर्यग्रहण को ही वलयाकार सूर्य ग्रहण कहलाता है।

भारतीय वैदिक काल और सूर्य ग्रहण

वैदिक काल से पूर्व भी खगोलीय संरचना पर आधारित कलैन्डर बनाने की आवश्कता अनुभव की गई। सूर्य ग्रहण चन्द्र ग्रहण तथा उनकी पुनरावृत्ति की पूर्व सूचना ईसा से चार हजार पूर्व ही उपलब्ध थी। ऋग्वेद के अनुसार अत्रिमुनि के परिवार के पास यह ज्ञान उपलब्ध था। वेदांग ज्योतिष का महत्व हमारे वैदिक पूर्वजों के इस महान ज्ञान को प्रतिविम्बित करता है।

ग्रह नक्षत्रों की दुनिया की यह घटना भारतीय मनीषियों को अत्यन्त प्राचीन काल से ज्ञात रही है। चिर प्राचीन काल में महर्षियों ने गणना कर दी थी। इस पर धार्मिक, वैदिक, वैचारिक, वैज्ञानिक विवेचन धार्मिक एवं ज्योतिषीय ग्रन्थों में होता चला आया है। महर्षि अत्रिमुनि ग्रहण के ज्ञान को देने वाले प्रथम आचार्य थे। ऋग्वेदीय प्रकाश काल अर्थात वैदिक काल से ग्रहण पर अध्ययन, मनन और परीक्षण होते चले आए हैं।

ज्योतिष विज्ञान की दृष्टि से सूर्य ग्रहण

ग्रहण प्रकृति का एक अद्भुत चमत्कार है। ज्योतिष के दृष्टिकोण से यदि देखा जाए तो यह अभूतपूर्व अनोखा, विचित्र ज्योतिष ज्ञान है, जो ग्रह और उपग्रहों की गतिविधियां एवं उनका स्वरुप स्पष्ट करता है। सूर्य ग्रहण (सूर्योपराग) तब होता है, जब सूर्य आंशिक अथवा पूर्ण रुप से चन्द्रमा द्वारा आवृत (व्यवधान/बाधा) हो जाए। इस प्रकार के ग्रहण के लिए चन्द्रमा का पृथ्वी और सूर्य के बीच आना आवश्यक है। इससे पृथ्वी पर रहने वाले लोगों को सूर्य का आवृत भाग नहीं दिखाई देता है। सूर्यग्रहण होने के लिए निम्न शर्तें पूरी होनी आवश्यक है।

- अमावस्या होनी चाहिये
- चन्द्रमा का अक्षांश शून्य के निकट होना चाहिए

उत्तरी ध्रुव को दक्षिणी ध्रुव से मिलाने वाली रेखाओं को रेखांश कहा जाता है तथा भूमध्य रेखा के चारो वृताकार में जाने वाली रेखाओं को अंक्षाश के नाम से जाना जाता है। सूर्य ग्रहण सदैव अमावस्या को ही होता है। जब चन्द्रमा क्षीणतम हो और सूर्य पूर्ण क्षमता संपन्न तथा दीप्त हो। चन्द्र और राहु या केतु के रेखांश बहुत निकट होने चाहिए। चन्द्र का अक्षांश लगभग शून्य होना चाहिये और यह तब होगा जब चंद्र रविमार्ग पर या रविमार्ग के निकट हो, सूर्य ग्रहण के दिन सूर्य और चन्द्र के कोणीय व्यास एक समान होते हैं। इस कारण चन्द्र सूर्य को केवल कुछ मिनट तक ही अपनी छाया में ले पाता है। सूर्य ग्रहण के समय जो क्षेत्र ढक जाता है उसे पूर्ण छाया क्षेत्र कहते हैं।

खगोल शास्त्रीयों की गणनाए

खगोल शास्त्रियों ने गणित से निश्चित किया है कि ९८ वर्ष ५८ दिन की समयावधि में ४१ सूर्य ग्रहण और २९ चन्द्रग्रहण होते हैं। एक वर्ष में ५ सूर्यग्रहण तथा २ चन्द्रग्रहण तक हो सकते हैं। किन्तु एक वर्ष में २ सूर्यग्रहण तो होने ही चाहिए। हां, यदि किसी वर्ष २ ही ग्रहण हुए तो वो दोनों ही सूर्यग्रहण होंगे। यद्यपि वर्षभर में ७ ग्रहण तक संभाव्य हैं, तथापि ४ से अधिक ग्रहण बहुत कम ही देखने को मिलते हैं। प्रत्येक ग्रहण १८ वर्ष ११ दिन पीत जाने पर पुन: होता है। किन्तु वह अपने पहले के स्थान में ही हो यह निश्चित नहीं है, क्योंकि सम्पात बिन्दु निरन्तर चल रहे हैं।

साधारणतय सूर्यग्रहण की अपेक्षा चन्द्रग्रहण अधिक देखे जाते हैं, परन्तु सच्चाई यह है कि चन्द्र ग्रहण से कहीं अधिक सूर्यग्रहण होते हैं। ३ चन्द्रग्रहण पर ४ सूर्यग्रहण का अनुपात आता है। चन्द्रग्रहणों के अधिक देखे जाने का कारण यह होता है कि वे पृथ्वी के आधे से अधिक भाग में दिखलाई पडते हैं, जब कि सूर्यग्रहण पृथ्वी के बहुत बड़े भाग में प्राय सौ मील से कम चौडे और दो से तीन हजार मील लम्बे भूभाग में दिखलाई पडते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि मध्यप्रदेश में खग्रास (जो सम्पूर्ण सूर्य बिम्ब को ढकने वाला होता है) ग्रहण हो तो गुजरात में खण्ड सूर्यग्रहण (जो सूर्य बिम्ब के अंश को ही ढंकता है) ही दिखलाई देगा और उत्तर भारत में वो दिखायी ही नहीं देगा।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र में स्थिति आपके लिए अच्छी बनी रहेगी. किसी से व्यर्थ विवाद में ना उलझें. आपके आसपास कई तरह के नवीन बदलाव होंगे. परिस्थिति के अनुसार स्वयं को बदलें. परिवार का ध्यान रखें. दांपत्य सुख बना रहेगा.

वृषभ : इस सप्ताह इस राशि के जातकों को शुरुआत में सेहत से जुड़ी कोई समस्या परेशान कर सकती है. भाइयों से लाभ की प्राप्ति हो सकती है. यात्रा के योग बने रहेंगे. परिजनों के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा भी कर सकते हैं. सहकर्मियों से कार्यों में सहयोग मिलेगा. इस हफ्ते आपको अपनी वाणी पर काफी ध्यान रखना होगा.

मिथुन : इस सप्ताह आप अपने पराक्रम के द्वारा सभी मुश्किलों पर विजय प्राप्त करेंगे. किसी प्रकार का स्थान परिवर्तन हो सकता है. सरकारी कामकाज में भी सफलता के योग बने रहेंगे. किए गए निवेशों से आपको फायदा हो सकता है. जीवनसाथी से लाभ मिल सकता है. सेहत का ध्यान रखें, सिरदर्द की समस्या हो सकती है.

कर्क : इस सप्ताह इस राशि के जातकों को शारीरिक तथा मानसिक परेशानी बनी रह सकती है. जीवनसाथी का सहयोग आपके लिए मददगार रहेगा. व्यापार से संबंधित कोई लाभकारी योजना आपको मिल सकती है. दैनिक बोलचाल में अपनी वाणी पर संयम रखना उचित रहेगा. धन से जुड़ी चिंताएं कम हो सकती हैं.

सिंह : इस सप्ताह आपको भाग्य का पूर्ण सहयोग मिलेगा. भाग्य के सहयोग के चलते किसी कार्य में सफलता की प्राप्ति हो सकती है. संतान से सुख मिलेगा. धन संबंधी कोई लाभ आपको मिल सकता है. सेहत को लेकर कुछ समस्या हो सकती है. कार्यक्षेत्र में लाभ मिलेगा. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा.

कन्या : इस सप्ताह शुरुआती दिनों में कुछ शारीरिक तकलीफ हो सकती है. इस हफ्ते की गई यात्रा आपको लाभ प्रदान करेगी. लेखन या साहित्य के कार्यों से भी लाभ प्राप्त हो सकते हैं. किसी प्रकार के अटके कार्य इस हफ्ते पूर्ण हो सकते हैं. घर में किसी तरह के नए सामान की आप खरीदारी कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन सामान्य बना रहेगा.

तुला : इस सप्ताह तुला राशि के जातकों के मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इस हफ्ते कामकाज को लेकर आप अधिक प्रयत्नशील बने रहेंगे तथा लाभ भी प्राप्त करेंगे. सेहत के लिहाज से देखा जाए तो ब्लड प्रेशर व शुगर के मरीज कुछ परेशान हो सकते हैं. यात्रा की अधिकता बनी रह सकती है. प्रेम-संबंध के लिहाज से यह हफ्ता मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा.

वृश्चिक : इस सप्ताह आपकी आय में अचानक वृद्धि के योग बन सकते हैं. कार्यक्षेत्र में लोगों पर आपका प्रभाव बना रहेगा. अधिकारी वर्ग के लोग आपके कार्य से प्रसन्न रहेंगे. वाणी व्यवहार पर संयम रखना आपको लाभ दिला सकता है. पारिवारिक माहौल अच्छा बना रहेगा. हफ्ते के अंतिम भाग में सेहत संबंधी कोई तकलीफ हो सकती है.

धनु : इस सप्ताह आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने सारे कार्य आसानी से पूर्ण कर पाएंगे. इस हफ्ते आपके कार्यक्षेत्र तथा परिवार में प्रसन्नता भरा वातावरण बना रहेगा. धन लाभ के लिए यह हफ्ता उत्तम फल देने वाला बना रहेगा. आप वैवाहिक सुख का आनंद उठाएंगे. भाइयों व मित्रों की मदद आपको सफलता दिला सकती है. छात्रों को शुभ समाचार मिलेगा।

मकर : इस सप्ताह की शुरुआत दौड़-भाग के साथ हो सकती है. कामकाज को लेकर आप इस हफ्ते अधिक मेहनत करते नजर आएंगे. उच्च अधिकारियों से आपके संबंध अच्छे व मधुर बने रहेंगे. व्यापारी वर्ग को इस हफ्ते कोई लाभ मिल सकता है. जीवनसाथी से लाभ मिलेगा. आपका कहीं फंसा हुआ पैसा आपको मिल सकता है. वाणी पर संयम रखें.

कुंभ : इस सप्ताह धन संबंधी मसलों को लेकर आप जो प्रयास करेंगे, उसमें सफलता मिल सकती है. इस हफ्ते आप किसी यात्रा की योजना बना सकते हैं. जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा बना रहेगा. कार्य क्षेत्र से संबंधित शुभ समाचार मिलेंगे तथा धन लाभ को लेकर स्थितियां अच्छी बनी रहेंगी. किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचारों को अपने ऊपर हावी न होने दें.

मीन : इस सप्ताह आपको कार्यक्षेत्र में कार्यों को लेकर अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. कार्यों को लेकर अगर कोई समस्या बनी हुई थी तो वह समाप्त होगी. इस हफ्ते आपको आय के नए मार्ग मिल सकते हैं. किया गया पुराना कोई निवेश आपको लाभ दे सकता है. हफ्ते के अंतिम भाग में सेहत का ध्यान रखें. व्यर्थ का व्यय संभव है.

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में मौत

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले सड़क हादसे में कार की टक्कर से दुपहिया सवार एक व्यक्ति हो गई तथा दुसरा व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दुपहिया क्र. एमएच ३५/जे-२५१७ में सवार होकर कन्हैयालाल भजनदास बडोले तथा रविंद्र मंगरु बडोले सौंदड से देवरी की ओर जानेवाले हाईवे क्र. ६ से जा रहे थे। इसी दौरान कार क्र. एमएच ३५/ १४२२ के चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज गति से वाहन चलाते हुए सामने से आ रही उक्त मोटर सायकल को टक्कर मार दी। जिसके चलते रविंद्र बडोले की मौत हो गई तथा दुपहिया के पिछे सवार कन्हैयालाल गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना के पश्चात आरोपी कार चालक ने इस संदर्भ में संबंधित थाने में जानकारी न देते हुए वहां से फरार हो गया। फर्यादी रामरतन बडोले की शिकायत के आधार पर धारा २७९, ३३७, ३३८, ३०४ (अ) सहायक धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच सुनिल भैसारे कर रहे है।

सुने घर में चोरी

आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले सिव्हील लाइन वार्ड क्र.२ निवासी फर्यादी आशा महेंद्र मडामे (४०) ने घर का दरवाजा लगाकर अपने रिस्तेदार के यहां आयोजित पुण्यतिथि के कार्यक्रम हेतु चंद्रपुर गए थे। इसी दौरान किन्ही अज्ञात चोरो ने सुनेपन का लाभ लेकर फर्यादी के घर के सामने का दरवाजा तोड़ भीतर प्रवेश किया तथा बेडरुम में रखी लकड़ी की आलमारी का लॉक तोड़ उसमें रखी नगदी राशि १२ हजार तथा सोने चांदी के जेवरात समेत कुल २ लाख ३ हजार ४५० रुपए का माल लेकर फरार हो गए। फर्यादी की शिकायत के आधार पर आमगांव थाने में अज्ञात चोरो के खिलाफ धारा ४५४,४५७,३८० के तहत मामल दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस कर्मचारी चव्हान कर रहे है।

दुपहिया चोरी

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम इर्री निवासी फर्यादी दिपक देवेंद्र मेंढे अपने मित्र परमानंद महारवाडे के शादी रिसेप्सन में गया था। इसी दौरान किन्ही अज्ञात चोरो ने फर्यादी की मोटर सायकल क्र एमएच ३५/एडी- ०५४६ कीमत २५ हजार रुपए को सुना मौका देख वहां से लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस हवलदार गोस्वामी कर रहे है।

अकास्मिक मौत

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले घोटी निवासी महात्माराव पुंडलीकर धरगावे (५९) को जिला चिकित्सालय में उपचार हेतु मृत अवस्था में लाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के पश्चात उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर द्वारा जारी किए गए मेमो तथा फर्यादी ओमप्रकाश गायधने की शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दुपहिया की टक्कर से सायकल सवार जख्मी

रावणवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले बालाघाट मार्ग पर फर्यादी महेश सेवकराम डोंगरे (३२) निवासी कोरणी सायकल में सवार होकर घर जा रहा था। इसी दौरान मोटर सायकल क्र. एमपी बी.ए. ए. ९५५७ के चालक ने तेज गति से वाहन लापरवाही पूर्वक चलाते हुए फर्यादी की सायकल को जोरदार टक्कर मार दी जिसके चलते फर्यादी गंभीर रुप से घायल हो गया। फर्यादी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत तथा डॉक्टरी अहवाल के आधार पर आरोपी चालक के खिलाफ धारा २७९,३३७, सहायक धारा १८४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मोटर सायकल की टक्कर को लेकर मारपीट

गंगाझरी थाना अंतर्गत आनेवाले दांडेगांव बस स्थान के समीप फर्यादी महेश गेंदलाल पटले (३४) मोटर सायलक से जा रहा था। इसी दौरान आरोपी क्र.१ की मोटर सायकल में टक्कर लग गई तथा उसका कांच फुट गया। जिसके चलते आरोपी क्र.१ ने फर्यादी की लात मुक्कों से पिटाई कर दी तथा आरोपी क्र २ वहां पहुंचा तथा फर्यादी के सिर पर पत्थर से वार कर जख्मी कर दिया। फर्यादी की शिकायत व डॉक्टरी अहवाल के आधार पर धारा ३२४, ३४, ५०४, ५०६ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार रामेश्वर बर्डे कर रहे है।

पुराने विवाद को लेकर लाठी से हमला

आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम बोथली में पुराने विवाद को लेकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फर्यादी कुवरलाल लक्ष्मण शिवनकर (५०) निवासी बोथली अपने साथीदार राजेश सिताराम तावाडे (३७), जगदीश धनलाल हत्तीमारे के साथ काम करने हेतु कातुर्ली से मोटर सायकल से जा रहा था। इसी दौरान फर्यादी यह आरोपी के घर के सामने किसी काम को लेकर रुका हुआ था कि आरोपी वहां आया तथा पिछले दो साल पहले हुए विवाद को लेकर लाठी से फर्यादी के सिर पर वार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। शिकायत के आधार पर धारा ३२४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से सायकल सवार की मौत

चिचगढ पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम अंभोरा में उदराम रधुजी हुर्रे (६५) निवासी मोहगांव सायकल से चिचगढ़ से देवरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी जिसके चलते उसकी मौत हो गई। फर्यादी मनोकुमार मोतीराम बडोले की शिकायत पर चिचगढ़ थाने में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ धारा २७९,३०४ (अ) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

देवी-देवताओं की अवमनना

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम वडेगांव स्थित दुर्गा मंदिर में आरोपी ने शराब के नशे में माता रानी की मूर्ति को लात मारकर गिरा दिया तथा मूर्ति के बगल का लाल ध्वज उखड़ फेंक लोगो की धार्मिक भावनाओं को ठोस पहुंचाई। इस संदर्भ में फर्यादी वच्छला सुभाष हुमे (५७) की शिकायत पर उपरोक्त आरोपी के खिलाफ धारा २७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिसकर्मी टिलेकर कर रहे है।

जिले के ७६ गांवों को शमशान घाट का इंतजार

बारिश के दिनों में अंतिम संस्कार करने हो रही परेशानी

गोंदिया- शासन की ओर से जहां गांव वहां शमसान भूमि संकल्पना क्रियान्वित की है। इसके बाद भी जिले के ७६ ग्रामों में शमसान के लिए भूमि ही नहीं है। जिसके चलते मृतक के परिवार व रिश्तेदारों को गांव के बाहर खुली जगह या नदी नालों के किनारे शव का अंतिम संस्कार करना पड़ता है। जिसमें सबसे अधिक परेशानी बारिश के दिनों में निर्मित होती है। मृतकों का अंतिम संस्कार करने हेतु हर एक गांव में शमसान घाट होना जरुरी है। जिले के ९३१ ग्रामों में से अब भी ७६ गांवो में शमसान भूमि नही है। जिसके चलते उक्त ग्रामों के नागरिकों को अंतिम संस्कार करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

प्रशासन से की मांग

सालेकसा तहसील अंतर्गत खोलगड ग्राम में अब तक शमसान भूमि का निर्माण नहीं किया गया है। जिससे नागरिको को गांव से ३ किमी दुर जाना पड़ता है। पिछले १० वर्षों से इस ग्राम के नागरिक ग्राप व जिला प्रशासन से शमसान भूमि के लिए जगह की मांग कर रहे है। लेकिन उनकी मांग की ओर ध्यान नहीं दिया जा रह है। जिसके चलते अंमित संस्कार करने में यहां के नागरिकों को भारी पेरशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के दिनों में परेशानी

तिरोड़ा तहसील के मुंडीकोटा सबसे बड़ा गांव है। लेकिन इसके बावजूद यहां अब तक शमसान घाट के लिए जगह नहीं दी गई है। जिससे मुंडीकोटा सहित २ ग्रामों का भंभोडी मार्ग पर वैनगंगा नदी किनारे शव का अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। इन दोनों ग्रामों में वैनगंगा नदी २ किमी दुरी पर है।

इसमें सबसे अधिक परेशानी बारिश के दिनों में होती है। असल में शव का प्राय:दहन किया जाता है। लेकिन बारिश के दिनों में सतत बारिश होने से शव को जलाने में दिक्कत होती है। शमसान भूमि के लिए जगह अवंटित कर उस स्थान पर शेड बनाने की मांग नागरिकों द्वारा की गई।

धान के ढेर को लगाई आग

पुलिस की कार्यवाई पर लगा प्रश्न चिन्ह

किसानों में दहशत का वातावरण

संवाददाता देवरी- किसानों द्वारा कटाई कर रखे गए धान के ढेरों में आग लगाए जाने की घटना लगातार सामने आ रही है। पिछले कई सालो से इस तरह के कई मामले सामने आ रहे है। लेकिन पुलिस अभी तक इन घटनाओं से जुड़े आरोपियों को पकड़ नहीं पाई है। जिसके चलते आरोपी बेखौफ किसानों की फसल को जलाने का साहस कर रहे है।

ऐसा ही एक मामला चिचगढ़ थाना अंतर्गत आनेवाले रामगढ़ में ९ दिसंबर की सुबह सामने आया जहां किसी अज्ञात आरोपी ने किसान भोजराज केराम के खेत में कटाई कर रखा गया धान आग के हवाले कर दिया। जिससे उक्त किसान को ७० से ८० हजार रुपए का नुकसान हुआ है। ज्ञात हो कि इसके पूर्व भी देवरी तहसील अंतर्गत आनेवाने कई गांवो में धान के ढेर में आग लगाई गई है। लेकिन इसके बावजूद पुलिस विभाग की ओर से रात्री के दौरान गश्त नहीं बढ़ाई जा रही है, जिसके चलते पुलिस कार्यवाई पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। वहीं लगातार हो रही इन घटनाओं के चलते किसानों में दहशत का वातावरण देखा जा रहा है।

सागौन की तस्करी : ५ पकड़ाए

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- अर्जुनी मोरगांव वनपरिक्षेत्र अंतर्गत रामघाट-१ बीट में सागवन की अवैध रुप से कटाई कर तस्करी किए जाने के मामले में वन विभाग की टीम ने ५ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाई ८ दिसंबर की रात की गई। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग के अधिकारियों को गुप्त सूचना मिला थी कि रामघाट-१ बीट में सागवन के पेड़ो की अवैध रुप से कटाई कर उनका परिवहन किया जा रहा है। जिसके पश्चात वन विभाग की टीम ने जाल बिछाया तथा घटना स्थल पहुंचे जहां रामघाट बीट कक्ष क्रमांक २५४ ब संरक्षित वन क्षेत्र में वाहन क्रमांक एमएच ३५/ए.जे. १८०७ में १३ हजार ८०८ रुपए मुल्य का ०.३४८ घनमीटर सागवन का लगड़ा लदा पाया गया। जिसे चोरी कर ले जाया जानेवाला था। मामले की जांच के पश्चात पंचनामा व जब्तीनामा कर १० दिसंबर को मामला दर्ज किया गया। पकड़े गए आरोपियों में माहरकुड़ा निवासी सूर्यभान तुकाराम राणे (५२), नीलज निवासी दुश्यंत मधुकर कापगते (२७), अर्जुनी मोरगांव निवासी मारोती सदशिव मलकाम (६२), संदीप मारोती मलकाम (२९) तथा पांडुरंग मोंगरु शहारे (६६) का समावेश है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम १९७२ की धारा २६ (१), अ,ड,फ, धारा ४१,५२ (१) तथा ६५ (अ) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उक्त कार्यवाई सहायक वन संरक्षक एवं प्रकाष्ठ निस्कासन अधिकारी नवेगांवबांध दादा राऊत के मार्गदर्शन मे अर्जुनी मोरगांव के वन परिक्षेत्र अधिकारी बी.टी. दुर्गे, वनपाल गोटाफोडे तथा अन्य कर्मचारियों द्वारा की गई। आगे की जांच वन परिक्षेत्र अधिकारी बी.टी. दुर्गे कर रहे है।

८१० गांवो में धड़ल्ले से शराब की अवैद्य बिक्री

गोंदिया- जिले के ११०१ गांवो में से ८१० गांवो में दारुबंदी किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। वहीं इस हेतु तंटामुक्ती समिति व महिला मंडली द्वारा सक्रिय रुप से कार्य किया जा रहा है। बिमारी से केवल एक व्यक्ति की मौत होती है। लेकिन दारु पिने से उस व्यक्ति का पुरा परिवार जीते जी मरता है। इसलिए गांव-गांव में दारुबंदी का अभियान महिलाओं द्वारा छेड़ गया तथा कई गांवो में दारुबंदी की गई लेकिन जिन गांवो में दारुबंदी है उन गावो में दुबारा से शराब की बिक्री हो रही है। अवैद्य रुप से दारु बिक्री के चलते जिले के कई गांव की महिलाएं तथा उनका परिवार परेशानी का सामना कर रहा है।

विक्रेताओं को करें तड़ीपार

अवैद्य रुप से शराब विक्रेताओं पर पुलिस द्वारा कार्यवाई कर उनको हिरासत में लिया जाता है, लेकिन इसके बावजूद भी उक्त शराब विक्रेताओं के परिवार वाले अवैद्य रुप से शराब बेचने का कार्य जारी रखते है। दारुबंदी समिति की महिलाओं से शराब विक्रेताओं द्वारा अपमानकारक शब्द तथा धमकी दी जाती है। दारुबंदी करने के लिए समी के सहकार्य करने की आवश्यकता है।

जानकारी मिलने पर होती है, कार्यवाई

अवैद्य रुप से शराब की बिक्री कहीं पर भी न की जाए इस हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा कार्य किया जाता है। वहीं चोरी-चुपके से दारु बेचनेवाले विक्रेताओं पर भी कार्यवाई की जाती है। दारुबंदी समिति द्वारा शिकायत पर कार्यवाई करने हेतु पुलिस गांव में जाती है। अवैद्य धंधों पर लगाम लगाने के लिए विभाग पुरी तरह तत्पर है।

-रंगनाथ धारबले, पुलिस निरीक्षक गोंदिया ग्रामीण

कड़क कार्यवाई करें

गांव में दारुबंदी करने के लिए महिला मंडल की ओर से भरपुर प्रयास किया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद अवैद्य रुप से शराब की बिक्री करनेवाले विक्रेताओं पर कार्यवाई नहीं हो रही है। जिसके चलते शराब विक्रेता बड़े पैमाने पर अपना व्यवसाय चला रहे है। दारु से कोरोना संक्रमण फैल सकता है कि जानकारी होने पर भी लॉकडाऊन के दौरान भी दारुबंदी गांव में बड़े पैमाने पर अवैद्य रुप से शराब बेची जा रही थी।

-विमला तावाडे, सदस्य दारुबंदी समिति, खमारी

ग्राप चुनाव मतदाता सूची का कार्यक्रम घोषित

गोंदिया- जिले में अप्रैल मे जून महिने की अवधि में कार्यकाल समाप्त तथा नए स्थापित ग्रापं के चुनाव के लिए चुनाव आयोजन ने २० नवंबर को मतदाता सूची कार्यक्रम घोषित किया है। १ दिसंबर को राज्य के ३४ जिलों में (मुंबई शहर व मुंबई उपनगर जिले छोड़कर) १४,२३४ ग्रापं के लिए प्रारुप मतदाता सूचि प्रकाशित की गई है। अंतिम तिथि १० दिसंबर रखी गई थी। ग्राप की संख्या को देखते हुए प्रकाशित किए गए प्रारुप में मतदाता सूचि पर बड़ी संख्या में आपत्ति दर्ज की गई। इसमें प्राप्त आपत्ति का निवारण कर संबंधित स्थानों पर मतदाता सूची की अंतिम प्रकाशन तिथि के लिए अवधि बढ़ाने का आग्रह किया था। प्रारुप मतदाता सूचि पर प्राप्त शिकायतों का निपटरा कर अंतिम मतदाता सूचि प्रकाशित करने की तिथि १० की बजाए अब १४ दिसंबर तक कर दी गई है। जानकारी राज्य चुनाव आयोग के माध्यम से दी गई।

१०८ एम्बुलेंस सेवा से ९०७८ मरीजों को मिली संजीवनी

गोंदिया- गंभीर रुप से घायल तथा गर्भवति व अन्य मरीजों को तत्तकाल चिकित्सालयों में पहुंचाने के लिए शासन की ओर से १०८ नंबर याने एम्बुलेंस सेवा शुरु की गई है। १५ एम्बुलेंस के माध्यम से ९०७८ मरीजों को चिकित्सालय में पहुंचकर उन्हें संजीवनी प्रदान की गई। मार्च महिने में कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण देश में लॉकडाऊन किया गया था। जिसके चलत यातायात के सभी साधन ठप हो गए थे। ऐसे में मरीजों को चिकित्सालय में पहुंचाने के लिए १०८ एम्बुलेंस सेवा से सहायता मिली। जिले में १५ एंम्बुलेंसो में से ८ एम्बुलेंस कोरोना संक्रमितों के लिए लगाई गई थी। तीन एम्बुलेंस अॅडव्हांस सिस्टम के लिए है। कोरोना महामारी के दौरान १०८ एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से ९०७८ मरीजों को सुरक्षित चिकित्सालय में पहुंचाने का कार्य किया गया तथा कोरोना महामारी के दौरान एम्बुलेंस सेवा जिले के लिए जीवनदायी साबित हुई।

गर्भवति महिलाओं की मदद

कोरोना महामारी के दौरान संक्रमण से ग्रस्त गर्भवति महिलाओं का उपचार गोंदिया के चिकित्सायल में नहीं किया जा रहा था तथा उक्त महिलाओं को नागपुर रेफर किया जा रहा था। जिसमें उक्त गर्भवति महिलाओं को नागपुर रेफर करने में एम्बुलेंस सेवा से मदद मिली।

सड़क हादसो में घायल ५५५ लोगो की बचाई जान

१०८ एम्बुलेंस सेवा सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल हुए लोगो को समय रहते चिकित्सालय में पहुंचाने की महत्तपूर्ण भूमिका निभाती है। जिसके चलते उक्त सेवा के माध्यम से सड़क हादसों का शिकार हुए ५५५ लोगो को चिकित्सालय में पहुंचाकर उन्हें नया जीवन प्रदान किया गया।

नियमी रुप से देखभाल

१०८ एम्बुलेंस सेवा की नियमित रुप से देखभाल व इसकी दुरुस्ती की जाती है। इस हेतु २ मिस्त्रीयों को नियुक्त किया गया है। जिले में कुल १५ एम्बुलेंस के माध्यम से मरीजों को सेवा दी जा रही है। इस हेतु स्वास्थ्य विभाग तथा व्यवस्थापन का उचित प्रतिसाद प्राप्त हुआ है।

इटियाडोह परियोजना से होंगी ९९०० हेक्टेयर भूमि की सिंचाई

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- जिले में ग्रीष्मकालीन धान की फसल हेतु सिंचाई की घोषणा आचार संहिता शुरु होने से नहीं की गई थी। जिसके चलते किसानों में भ्रम की स्थिसी बनी हुई थी। लेकिन चुनावी आचार संहिता समाप्त होने क पश्चात अर्जुनी मोरगांव तहसील में ९९०० हेक्टेयर जमीन को इटियाडोह जलाशय के माध्यम से सिंचने का निर्णय लिया गया है। ऐसी जानकारी अर्जुनी मोरगांव इटियाडोह कार्यालय के कार्यकारी अभियंता डोंबी भिवगडे द्वारा दी गई है। इस साल वैसे भी किसान को देरी से हुई बारिश तथा बेमौसम बारिश व मौसम परिवर्तन के चलते किसानों की फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। उसी प्रकार अब दीपावली के पश्चात सब्जी की खेती कर किसान हालत को सुधारने का प्रयास कर ग्रीष्मकालीन फसल लगाने में जुटा है। इस वर्ष हुई भारी बारिश के कारण जिले के सभी छोटे व बड़े जलाशयों में भरपुर पानी देखने को मिल रहा है। जिसके चलते इटियाडोह परियोजना के माध्यम से अर्जुनी मोरगांव में ९९०० हेक्टेयर फसल की सिंचाई करने का फैसला लिया गया है। किसानों की ओर से कम समय में पकने वाली फसल तथा कम पानी मे पकनेवाली खेती का उत्पादन कर किसानों की ओर से पानी को बचाया जाएगा। किसानों को पानी पर संस्था की ओर से पुरा सहयोग किया जाएगा। विद्युत पंप धारको को नया नुतनीकरण कर पानी का उपयोग किया जाएगा। इस संदर्भ में सिंचाई विभाग को सहकार्य करने का अहवान कार्यकारी अभियंता डी.बी. भिवगडे ने किया है।

सक्षिप्त समाचार

जाली दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम मुंडीपार में टिप्पर क्रमांक एमएम ३५/एजे-१२९९ के चालक तथा मालिक ने अपने वाहन में रेत का परिहन करने के दौरान वाहन के परिवहन लाईसेंस में काटछांट कर नकली अनुमति पत्र तैयार कर उसका परिवहन के लिए उपयोग किया। फर्यादी मंडल अधिकारी गोरेगांव बाबूराव नारायण वरखडे (५२) की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने भांदवि की धारा २७९, ४७१, ४२० के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस उपनिरिक्षक देशमुख कर रहे है।

दो लोगो की अकास्मिक मौत

जिले में घटित हुई अलग-अलग घटनाओं में दो लोगो की अकास्मिक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पहली घटना अर्जुनी मोरगांव थाना अंतर्गत सामने आई जहां सोमेश जुगल पुरी (४५) निवासी कुंभारीटोला झोपड़ी में अकेला रहता था। घटना दिवस के दिन उक्त व्यक्ति भोजन करने के पश्चात घर में सोया हुआ था। इसी दौरान उसकी झोपड़ी में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आसपास के परिसर में रहनेवाले लोगो ने आग तो बुझाई लेकिन सोमेश की झोपड़ी में ही जलकर मौत हो गई। शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। दुसरी घटना सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत सामने आई किशनसिंग नंदुसिंग बैस यह शादी समारोह में गया हुआ था। लेकिन वह घर वापस नहीं आया इसी दौरान लिलबाई के खेत परिसर में स्थित नहर में डुबने से उसकी मौत हो गई। शिकायत पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आकस्मिक मृत्यु

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत दासगांव निवासी श्रावण साध राऊत (५९) को ९ दिसंबर को ७ बजे के दौरान उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर द्वारा जारी मेमो के आधार पर पुलिस ने धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार मनोज गोन्नाडे कर रहे है।

दुर्घटना में ट्रेलर चालक की मौत

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.६ पर ट्रेलर क्र. एमएच ३५/ईएफ २३०९ का चालक भंडारा से रायपुर की ओर जाते समय अपना वाहन तेज गति से लापरवाही पूर्वक चला रहा था। जिसके चलते उसका वाहन से नियंत्रण छुट गया तथा ट्रेलर पटल गया। जिसमें दबकर चालक गंभीर रुप से घायल हो गया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। फर्यादी पार्डी जिला नागपुर निवासी बबलू रमाकांत मेश्राम (४५) की शिकायत के आधार पर डुग्गीपार थाने में धारा २७९,३०४ अ तथा मोवाका की धारा १८४ के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस हवलदार सांदेकर कर रहे है।

युवक ने की खुदकुशी

रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत खापर्डे कॉलोनी गोंदिया निवासी संदेश अरुण पटले (२४) ने अपने घर का दरवाजा बंद कर छत में लगे लोहे के हुक व नायलोन की रस्सी की सहायता से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फर्यादी मुकेश अरुण पटले (२२) की शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार दसरिया कर रहे है।

कुंए में कुदकर की खुदकुशी

देवरी पुलिस थाना अंतर्गत वार्ड क्र.४ देवरी निवासी शामराव सोमा मानकर (६०) के बेटे ने १० दिसंबर को पुलिस में शिकातय दर्ज करवाई कि उसके पिता को पिछले १० वर्षो से कैंसर की बिमारी थी। जिससे त्रस्त होकर उन्होंने स्वंय के खेत में स्थित कुंए में कुदकर आत्महत्या कर ली। फर्यादी की शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामाले की जांच पुलिस हवलदार तिरपुडे कर रहे है।

बीचबचाव करने पर पिटाई

तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम सुकडी में आरोपी अपनी पत्नी के साथ फर्यादी के घर के सामने गया तथा फर्यादी के पति का नाम लेकर आवाज दी। जिसपर फर्यादी व उसका पति घर से बाहर आए तो आरोपी ने फर्यादी के पति से अपने घर में न्याय कराने क्यों आया था। कहते हुए लोहे की वस्तु से उसके पेट पर प्रहार कर जख्मी कर दिया। फर्यादी शर्मिला यशवंत बोपचे (३४) की शिकायत के आधार पर धारा ३२४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस नायक पांडे कर रहे है।

मारपीट कर धमकाया

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम कामरगांव निवासी दो आरोपियों ने फर्यादी की जमीन पर लगाई तार की बाड़ को श्रतिग्रस्त कर दिया। जिसके चलते फर्यादी को ५ हजार रुपए का नुकसान हो गया। जब फर्यादी ने उन्हें हड़काया तो उन्होंने गाली-गलौच कर मारपीट की एवं जान से मारने की धमकी दी। फर्यादी कामरगांव निवासी योगराज रुदाजी पारधी (५५) की शिकायत के आधार पर पुलिस ने भांदवी की धारा ४४८,४२७,५०४,५०६ के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस हवलदार वानखेडे कर रहे है।

घर में चोरी

तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम केसलवाड़ा निवासी बालकुष्णा कुकडे (४०) के घर पर अज्ञात चोरो ने प्रवेश कर सोने चांदी के जेवरात समेत नगदी राशि में हांथ साफ कर दिया। सुत्रों से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार फर्यादी की पत्नी घर का दरवाजा लगाकर मवेशियों को लेकर खेत परिसर में गई हुई थी। इसी दौरान किसी अज्ञात आरोपियों ने उसके घर का दरवाजा तोड़ भीतर प्रवेश किया तथा आलमारी में मौजुद नगदी जेवरात व नगदी राशि समेत कुल २९ हजार ५०० रुपए का माल लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर धारा ३८०,४५४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस हवलदार साठवणे कर रहे है।

रेल पटरी में शव मिला

आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले आमगांव से सालेकसा के बीच रेल मार्ग के.यु.९७६/२ पर किसी अज्ञात व्यक्ति की लाश पाई गई। उप स्टेशन प्रबंधक पु.म.रे. आमगांव के तैयार किए गए मेमो के आधार पर आमगांव थाने में धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सिंचाई विभाग में कर्मचारी खेल रहे लुड़ो

कर्मचारियों पर अनदेखी का आरोप

गोंदिया- सिंचाई विभाग का कार्यालय सुभाष बाग के सामने पुरानी इमारत में स्थित है। इस क्षेत्र में गोंदिया सिंचाई विभाग, मध्यम सिंचाई परियोजना तथा विभाग और वाग-इटियाडोह परियोजना विभाग के कार्यालय हैं। ये कार्यालय सड़क से बहुत दूर हैं। इसलिए, यहां वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी ध्यान नहीं दिया जाता। गोंदिया सिंचाई विभाग के कार्यालय में उप कार्यकारी अभियंता शिखा सुरेश पुश्तवार की अनुपस्थिति में कार्यालय में मौजूद चार कर्मचारी एक टेबल पर अपने मोबाइल पर लूडो खेलने में इतने व्यस्त पाए गए कि उन्हें बाहर से आने वाले लोगों पर ध्यान नहीं दिया। कुछ कर्मचारी बाहर घूमते पाए गए। मध्यम सिंचाई परियोजना में कर्मचारी कुर्सियां पूरी तरह से नीचे दिखाई देती थीं। वाघ-इटियाडोह परियोजना कार्यालय में मौजूद कुछ कर्मचारी व्यक्तिगत चर्चा में लगे दिखाई दिए। काम के बारे में पूछे जाने पर कर्मचारियों ने कहा कि इस साल कोरोना के कारण बहुत काम नहीं है। वाग-इटियाडोह परियोजना कार्यालय प्रभारी को सौंप दिया गया है। यहां की स्थिति बहुत खराब है।

अक्टूबर से छुट्टी पर सोनाली

सिंचाई इंजीनियर सोनाली सोनाले अक्टूबर के पहले सप्ताह से मातृत्व अवकाश पर हैं। उनका कार्यभार भंडारा के कार्यकारी अभियंता देवानंद मनवतकर को सौंप दिया गया है। हालात का पता लगाने के लिए मानावतकर पिछले दो महीनों में शायद ही कभी सिंचाई विभाग गए हों। वे एक विशिष्ट नौकरी के लिए गोंदिया आते हैं। मस्टर ब्रांच इंजीनियर विभूति को कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने की जिम्मेदारी दी गई है। मस्टर की जिम्मेदारी उप कार्यकारी अभियंता को भी सौंपी जा सकती है। कोई दबाव नहीं है क्योंकि उप कार्यकारी अभियंता का मस्टर पर कोई नियंत्रण नहीं है। कर्मचारी स्वेच्छा से उपस्थित होते हैं और उपस्थिति मस्टर पर दर्ज की जाती है। कार्यालय खुले रहते हैं, लेकिन कुर्सियों के नीचे।

महिला सुरक्षा को खतरा

बायोमेट्रिक्स के लिए पत्र दिए गए थे। लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जिले के अधिकांश कार्यालयों में बायोमेट्रिक मशीनों पर कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। लेकिन सिंचाई विभाग में बायोमीट्रिक मशीन लगाने के लिए अधिकारी अनिच्छुक हैं। सिंचाई विभाग कार्यालय में सीसीटीवी कैमरों की आवश्यकता है। लेकिन अभी तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया है। इसलिए महिला कर्मचारियों की सुरक्षा भी दांव पर है।

जरुररत पड़ने पर ही आते है कार्यालय

प्रभारी कार्यकारी अभियंता देवानंद मनवतकर के अनुसार, वह प्रभारी के रुप में कार्यरत हैं। मस्टर की जिम्मेदारी शाखा अभियंता को सौंपी गई है। जरुरत पड़ने पर ही वे गोंदिया आते हैं। उन्हें पता नहीं है कि लूडो कैसे खेला जाता है।

लावारिश कुत्तों का आतंक

११ महिनों में १११९ लोगों को कांटा

गोंदिया- शहर में इन दिनों लावरिश कुत्तों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जिसके चलते शहर के कई क्षेत्रों में कुत्तों के झुंड तैयार हो गए है। वहीं लावारिश कुत्तों द्वारा आवागमन करनेवाले नागरिक तथा वाहन चालकों के पीछे दौड़ता हुआ देखा जा रहा है। जिसके चलते शहर के नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लावारिस कुत्तों ने अब तक १११९ लोगो को चाबा है, तथा ७ लोगो को सड़क हादसे का शिकार होना पड़ा। पिछले २०-२५ साले पहले नगर परिषद की ओर से लावारिश पकड़ना व पागल कुत्तों को मार दिया जाता था। लेकिन इसके खिलाफ में कानून आने से नगर परिषद के हांथ बंध गए है। परिणाम स्वरुप शहर में लावारिस कुत्तों का आतंक बढ़ गया है।

कुत्तों को पकड़ने की व्यवस्था नही

नगर परिषद की ओर से इसके पूर्व लावारिश कुत्तों को पकड़ने का कार्य किया जाता था। लेकिन इसके खिलाफ में कानून आने से कुत्तों को मारना बंद कर दिया गा है। वहीं नगर परिषद के पास लावारिश कुत्तों को पकड़ने की कोई व्यस्था नही है।

अंडरग्राऊंड परिसर में अधिक खतरा

शहर के अंडरग्राऊंड परिसर में बड़े पैमाने पर लावारिश कुत्तों को देखा जा रहा है। यहां कुत्तों का झुंड नियमिति रुप से देखने को मिलता है। जिसके चलते इस परिसर में आवागमन करनेवाले नागरिकों को लावारिश कुत्तों के कारण भारी पेरशानी का सामना करना पड़ रहा है। उसी प्रकार शहर के मटन मार्केट में भी लावारिश कुत्तों का आतंक बढ़ गया है।

पिछले २० से २५ साल पहले नगर परिषद की ओर से कुत्तों को मारा जाता था। लेकिन इसके खिलाफ कानून आने से कुत्तों को नही मारा जा सकता। नगर परिषद के पास कुत्तों को पकड़ने व छोड़ने की व्यवस्था नहीं है। इसके पूर्व शहर में २००० लावारिश कुत्तों की निर्बीजीकरण शस्त्रक्रीया की गई थी।

– गणेश हतकय्या,
आरोग्य निरीक्षक नप गोंदिया

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से

अब ग्राम पंचायत में मिलेंगा बीपीएल कार्ड

गोंदिया- महाराष्ट्र राज्य में यदि किसी भी ग्रामीण नागरिकों को बीपीएल राशन कार्ड के लिए आवेदन करना हो तो ऐसे नागरिकों को प्रामण पत्र के लिए पंचायत समिति के चक्कर लगाना पड़ता था। जबकि नागरिकों को जहां निवास करते हैं उसी ग्राम पंचायत के तहत प्रमाणपत्र देने का निर्णय शासन ने लिया गया था। किंतु पिछले कुछ सालों में इस नियम को बंद कर पंचायत समिति के माध्यम से बीपीएल के प्रमाणपत्र का वितरण किया जा रहा था।

कोरोनावायरस के चलते संपूर्ण देश में लॉकडाउन की स्थिति निर्माण हुई थी। लेकिन फिर भी सरकारी दफ्तरों में ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों का ताता लगा रहता था। जिसमें भारी मात्रा में नागरिक बीपीएल संबंधित प्रमाणपत्र को बनाने हेतु आ रहे हैं, ऐसी जानकारी विधायक विनोद अग्रवाल को मिली। जिसे संज्ञान में लेकर विधायक विनोद अग्रवाल ने अधिकारियों से एवं कर्मचारियों से बात कर इस विषय को सरल कैसे किया जाए इस पर चर्चा की। जिससे यह निर्णय लिया गया कि बीपीएल के प्रमाणपत्र ग्राम पंचायत से दिए जाएंगे इस हेतु विधायक विनोद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार एवं ग्राम विकास मंत्री हसन मुशरिफ को पत्र लिखकर उक्त विषय की गंभीरता को समझाया, साथ ही वे उनसे व्यक्तिगत रुप से मुलाखात कर बीपीएल के प्रमाणपत्र ग्राम पंचायत से ही जल्द से जल्द वितरण करने की मांग की। जिसे सकारात्मक से लेते हुए ग्राम विकास मंत्रालय ने निर्णय लेते हुए उक्त प्रमाणपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय से ही वितरण करने का निर्णय लिया। जिस वजह से सिर्फ गोंदिया जिले में ही नहीं बल्कि पूरे महाराष्ट्र राज्य में यह नियम को लागू कर संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य के ग्रामीण लोगो को अब बीपीएल प्रमाणपत्रों के लिए तहसील कार्यालयों कें चक्कर लगाने नहीं पड़ेंगे, बल्कि उन्हीं के गांव में ग्राम पंचायत के माध्यम से ही उक्त प्रमाणपत्र का वितरण किया जाएगा। इस निर्णय के चलते ग्रामीण क्षेत्र के लोगो ने विधायक विनोद अग्रवाल का आभार व्यक्त किया। उसी प्रकार विधायक अग्रवाल ने विकास मंत्री हसन मुश्रीफ का आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में शुद्ध पेजयल की व्यवस्था नही

विद्यार्थियों का स्वास्थ्य खतरे में

गोंदिया- गोंदिया जिप की ऐसी ३४६ शालाएं है, जहां पर विद्यार्थियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। जिसके चलते यहां शिक्षा प्राप्त करनेवाले विद्यार्थी मजबूरी के चलते कुंए का पानी पिना पड़ रहा है। इस तरह के हालात जिले की डिजीटल शालाओं के हैं, जो की गंभीर बात है। ज्ञात हो कि गोंदिया जिले में जिप प्राथमिक विभाग की कक्षा पहली से लेकर ८वी तक १०३९ शालाएं संचालित है। इन शालाओं में डेढ लाख से अधिक गरीब, जरुरतमंद परिवारों के बच्चे पढ़ने आते है। समग्र शिक्षा अभियान की ओर से विद्यार्थियों को दोपहर में भोजन परोसा जाता है। लेकिन अधिकांश स्कूलों में शुद्ध पेजयल की व्यवस्था नहीं होने से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर इसका विपरित असर पड़ सकता है। इस संदर्भ में जब शिक्षा विभाग की ओर से जानकारी ली गई तो जिप की १०३९ प्राथमिक शालाएं संचालित है। जिनमें से ३७३ स्कूलों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कराई गई है। वहीं ३४६ स्कूलों में पानी की तो सूविधा है, लेकिन शुद्ध पेयजल के लिए उपकरण उपलब्ध नहीं है। इन स्कूलों में शिक्षा का पाठ पढ़ने वाले विद्यार्थियों को कुंए तथा हैंडपंप से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। जबकि गोंदिया जिले की सभी शालाएं डिजीटल स्कूल के नाम से पंजीकृत है। वहीं राज्य में प्रथम पुरस्कार भी डिजीटल स्कूलों के नाम पर लिया गया है तथा इन्ही डिजीटल स्कूलों में इस तरह की दयनीय स्थिती दिखाई दे रही है, जो जिप के शिक्षा विभाग के लिए मंथन का विषय बन गया है।

सभी शालाओं में पानी की व्यवस्था

जिप की प्राथमिक शिक्षा विभाग की जिले में १०३९ प्राथमिक शालाएं संचालित है, जिनमें से ३७३ स्कलों में शुद्ध पेयजल के लिए आरओ लगाए गए है। अन्य स्कूलों में हैंडपंप तथा कुंओं व जलापूर्ति विभाग की ओर से पानी उपलब्ध किया जा रहा है।

– जीवनेश मिश्रा, अभियंता समग्र शिक्षा अभियान

पेट्रोल व डीजल की बढ़ती दरों को लेकर ज्ञापन सौपा

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल की दरों को तेजी से बढ़ाया गया जिसका बजट अब आम नजता के बस के बाहर है। उसी प्रकार संजय निराधार योजना के लाभार्थियों के खाते में अभी तक राशि नहीं पहुंच पाई है तथा केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हित में कार्य नहीं किए जाने से यूवा शिवसेना की ओर से गृहमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया है, मांग पुरी न होने पर तहसील कार्यालय में मोर्चा निकाला जाएगा। इस समय शिवसेना के तहसील प्रमुख अजय पालीवाल, युवासेना के जिला प्रमुख अश्विन सिंह गौतम, शहर प्रमुख प्रकाश उइके, शिव सैनिक बबन,बड़बाईक यादव कुंभरे, उपस्थित थे।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

हर रविवार
सुबह 11 से 4 बजे

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स,
पाल चौक, गोंदिया

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।